संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 3 त्रैमासिक जुलाई, 2007

पूर्वोत्तर क्षेत्र के रेल परियोजनाओं पर शिखर सम्मेलन

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा क्षेत्र में चल रही रेल परियोजनाओं व अपेक्षाओं पर समीक्षा के लिए दिनांक 19-06-2007 को नई दिल्ली विज्ञान भवन में शीर्ष सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें केन्द्रीय मंत्री डोनर (DoNER) *श्री मणि शंकर अय्यर*, रेल राज्यमंत्री *एन जे राठवा*, राज्यपाल सिक्किम *श्री वी. रामाराव*, राज्यपाल अरूणाचल प्रदेश *श्री एस. के. सिंह*, राज्यपाल, त्रिपुरा *श्री डी. एन. सहाय;* मुख्यमंत्री मणिपुर *श्री ओ. इबोबी सिंह*, उप मुख्यमंत्री मेघालय डॉ. *डॉनकूपर राय* व प्रदेश से अन्य मंत्री, सांसद तथा अधिकारियों ने भाग लिया। रेल मंत्रालय से सदस्य इंजीनियरी, *श्री एस.के. विज*, अतिरिक्त सदस्य (कार्य) *श्री एस.पी.वत्स*, कार्यकारी निदेशक (कार्य) *श्री पी. के. सांगी* व पू. सी. रेल से महाप्रबन्धक/निर्माण *श्री ए. के. जैन*, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण *श्री राधेश्याम* उपस्थित थे । बैठक के बाद *श्री अय्यर* ने प्रेस कांन्फ्रेंस को सम्बोधित भी किया ।

शिखर सम्मेलन के बाद प्रेस को संबोधित करते केन्द्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर तथा महाप्रबंधक/निर्माण श्री ए. के. जैन

सम्मेलन में 11वीं योजना अवधि में क्षेत्र के चालू 14 चालू परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 10,000/- करोड़ रूपये निवेश करने की आवश्यकता जतायी गई। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सम्मेलन में कुछ प्रमुख बिन्दुओं पर-एक दीर्घकालीन योजना के अन्तर्गत बी ई स्तर में वित्त मंत्रालय द्वारा वार्षिक किश्तों की निकासी, कार्यस्थल पर सुरक्षा की आवश्यकता, उग्रवादियों द्वारा रंगदारी पर नियंत्रण, बड़ी देशी व विदेशी एजेंसियों के साथ साझेदारी, कार्य की प्रगति हेतु नियमित रूप से एवं निरन्तर समीक्षा के लिए सहमति जतायी गई। सम्मेलन में राज्यों की राजधानियों को जोड़ने की सम्भावना पर भी जोर दिया गया, जिसमें मिजोरम, सिक्किम व मेघालय में सर्वे करने की आवश्यकता बतायी गयी ।

बोगीबिल पुल परियोजना के कार्य में विलम्ब

19-04-2007 को 5 सांसदों क्रमश: डॉ. अरूण कुमार शर्मा, सर्वानंद सोनोवाल, श्री नबम रेबिया, किरण रिजिन, तापीर गाओ के समूह द्वारा बोगीबिल पुल परियोजना स्थल का दौरा किया गया जहां उन्हें बोगीबिल पुल परियोजना कार्य की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति में आने वाली कठिनाईयों से अवगत कराया गया। सांसदों ने यथाशीघ्र मुख्य पुल के कुंओं के काम की निविदा को पूर्ण करने पर बल दिया ।

बोगीबिल परियोजना स्थल के निरीक्षण पर सांसद समूह के साथ मुख्य इंजीनियर/नि/III श्री वी. के. मधुकर

मुख्य पुल के कुंओं के कार्य की निविदा रेलवे बोर्ड में स्वीकृति हेतु लम्बित थी परन्तु अब उसकी वैधता समाप्त होने पर मेसर्स/एच सी सी ने उस पर कार्य करना स्वीकार नहीं किया जिससे निविदा अब दुबारा करनी होगी। इन हालात में पुल के कार्य के शुरू करने में देरी होगी।

कुमारघाट-अगरतला नई लाइन परियोजना का निरीक्षण

दिनांक 17-04-2007 को माननीय सांसद व रेल स्थायी अभिसमय समिति के अध्यक्ष श्री वासुदेव अचारिया कुमारघाट-अगरतला नई लाइन परियोजना का निरीक्षण करने अगरतला पहुँचे । श्री अचारिया के अस्वस्थ होने पर निरीक्षण स्थगित किया गया व स्थानीय सांसद श्री खगेन दास व मोती लाल सरकार तथा परिवहन सचिव, त्रिपुरा सरकार ने रेल अधिकारियों के साथ दिनांक 17-04-2007 की बैठक में परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने जोर दिया कि कार्य लक्ष्य के अनुसार दिसम्बर, 2007 तक पूरा किया जाए ।

राष्ट्रीय परियोजनाएँ

कुमारघाट से अगरतला तक नई बीजी लाइन (109 कि.मी.)- (लक्ष्य- मार्च, 2007)

कुमारघाट-मानु (20 कि.मी.) शाखा दिनांक 27-12-2002 को चालू हो गयी थी । मई महीने के दौरान सुरंग 2 में खुदाई का कार्य पूरा किया गया, जिससे 3 में से 2 सुरंग पूरा हो चुकी है और सुरंग 3 पर कार्य प्रगति पर है ।

लामडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर से बराईग्राम तथा बराईग्राम से कुमारघाट (367.79 कि.मी.) तक का गेज परिवर्तन (लक्ष्य- मार्च, 2010)

पहाड़ी शाखा में उग्रवादियों के कारण कार्य की प्रगति बाधित है जिसके कारण निर्धारित लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकेगा। संशोधित लक्ष्य चिह्नित कार्य स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की उपलब्धता पर निर्भर होगी। परियोजना क्षेत्र में सक्रिय उग्रवादी संगठनों द्वारा ठेकेदारों को धमकी एवं भयादोहन के रूप में भारी-भरकम राशि की मांग का सामना करना पड़ रहा है ।

जिरिबाम से तुपुल (इम्फाल) (98 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन (लक्ष्य- मार्च, 2011)

फेस-I में पहले 9.9 कि.मी. का 116 करोड़ रूपये का प्राक्कलन रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृत कर दिया गया है। अत: खुली हुई निविदाओं को अब अन्तिम रूप दिया जा रहा है ।

कट तथा कवर सुरंग का अभिकल्प

अभिकल्प इकाई द्वारा लामिडंग-सिलचर आमान परिवर्तन हेतु 25 मीटर उँचाई तक के मिट्टी के भार के सहन हेतु कट तथा कवर सुरंग के अभिकल्प को पूरा किया गया।

यह संरचना कम्पोजिट सिद्धांत पर आधारित तथा भूकम्प रोधी है। इसे किफायती बनाने हेतु इसके आधार को आर्क आकार में रखा गया है। इस अभिकल्प का मानकीकरण पू. सी. रेल में पहली बार हुआ है।

रेल सप्ताह समारोह

रेल सप्ताह समारोह में कर्मचारियों को संबोधित करते महाप्रबंधक/निर्माण श्री ए. के. जैन

दिनांक 12-04-2007 को आयोजित रेल सप्ताह समारोह में महाप्रबन्धक/निर्माण महोदय ने निर्माण संगठन के 51 अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए पुरष्कृत किया तथा निर्माण संगठन की दक्षता शील्ड प्रदान की ।

वर्ष 2006-07 की इंजीनियरी शील्ड उप मुख्य इंजीनियर/नि-I/सिलचर व उप मुख्य इंजीनियर/नि-II/सिलचर को संयुक्त रूप से व अन्य शील्ड उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/नि/न्यू जलपाईगुड़ी यूनिट को दी गई।

निर्माण संगठन की उपलब्धियाँ

- अलीपुरद्वार-न्यू कूचबिहार-बामनहाट आमान परिवर्तन के क्रम में *अलीपुरद्वार जंक्शन यार्ड* का पुनर्निर्माण कार्य दिनांक 31-05-2007 को पूरा किया गया ।
- अलीपुरद्वार जंक्शन-न्यू कोचबिहार-बामनहाट सेक्शन (75 कि. मी.)- अलीपुरद्वार जंक्शन- न्यू कोचबिहार सेक्शन का कार्य पहले ही किया जा चुका है । *न्यू कूचबिहार-बामनहाट सेक्शन में भी ट्रैक लिंकिंग व पुल* का कार्य पूरा हो गया है । सी आर एस का निरीक्षण अगस्त के पहले सप्ताह में कराने की योजना है ।
- कंकर नदी पर 173 नं. पुल के 45.7 मीटर के 3 खुले वेब गार्डर अधिसंरचना को एक सिरे से खिसकाते हुए डाला गया । पू. सी. रेल पर इस तरह का कार्य पहली बार हुआ है । इसी के साथ 8 में से 6 अधिसंरचना को डालने का कार्य पूरा हो गया जिससे कटिहार-बारसोई शाखा के आमान परिवर्तन कार्यों में प्रगति हुई।
- न्यू बंगाईगांव-रंगिया सेक्शन (रंगिया मंडल) के दो स्टेशनों अर्थात पाटिलदाह एवं सरूपेटा पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग क्रमश: दिनांक 16-06-07 व 27-06-07 को चालू कर दिया गया । इस प्रकार कुल 14 स्टेशनों में से कुल 06 स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध करा दी गई एवं शेष का कार्य प्रगति पर है।
  लामडिंग मंडल के लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी सेक्शन में लामडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन कार्य के समग्र परिवर्धन के रूप में दिनांक 07-06-07 को हरंगाजो में एम. ए. सी. एल सिगनलिंग के साथ पी. आई. प्रारम्भ कर दिया गया ।
- दिनांक 03-06-07 को कुमारघाट से मानु स्टेशन तक 2 एम. बी. ओ. एफ. सी. संचार सम्पर्क स्थापित कर दिया गया ।

नये एनेक्सी भवन का उद्घाटन

दिनांक 05-07-2007 को अपराह्ण 16.00 बजे महाप्रबन्धक/निर्माण श्री ए. के. जैन द्वारा महाप्रबन्धक/निर्माण

महाप्रबंधक/निर्माण श्री ए.के. जैन नव निर्मित एनक्सी भवन का फीता काट कर उद्घाटन करते हुए

कार्यालय में नवनिर्मित एनेक्सी भवन के बांये विंग का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सहित सभी वरिष्ठ अधिकारीगण व सभी कर्मचारी उपस्थित थे। बाकी कार्य को मार्च, 2008 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

नवनिर्मित एनेक्सी भवन

हिन्दी भाषा प्रशिक्षण

यह हर्ष का विषय है कि हिन्दी भाषा प्रशिक्षण के सत्र जुलाई-नवम्बर,2006 के घोषित प्रवीण परीक्षा परिणाम में महाप्रबंधक/निर्माण/लेखा विभाग के अधीन कार्यरत श्रीमती कामालक्ष्मी, लेखा सहायक ने अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर संगठन के कर्मचारियों की कार्यशैली एवं कर्त्तव्यनिष्ठा की अनूठी मिसाल कायम की है।

श्रीमती कामालक्ष्मी

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

बैठक के दौरान महाप्रबंधक/निर्माण के साथ उपस्थित अधिकारीगण

श्री ए. के. जैन महाप्रबन्धक/निर्माण की अध्यक्षता में निर्माण संगठन के सभाकक्ष में दिनांक 19-04-2007 को वर्ष की दूसरी क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार सम्बन्धी नीतिगत विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा के साथ ही प्रशिक्षण हेतु शेष कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर विशेष चर्चा की गई।

मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण-II का पदस्थापन

श्री एम. गढ़वाल मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर / निर्माण-II का पदस्थापन मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर पू. सी. रेल के पद पर हुआ तथा श्री एम. एल. चहार ने मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर / निर्माण-II का पदभार दिनांक 18-06-2007 को ग्रहण किया। श्री चहार पूर्व में पश्चिम रेल के जयपुर मंडल में उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे।

श्री एम. एल. चहार

उप मुख्य राजभाषा अधिकारी (निर्माण) का नामन

श्री एस. पी. यादव, उप मुख्य इंजीनियर / अभिकल्प-II / निर्माण ने दिनांक 07-05-2007 को निर्माण संगठन के नये उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का अतिरिक्त पदभार ग्रहण किया।

श्री एस. पी. यादव

वर्ष 2007-08 की लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

	प्रगति	लक्ष्य
• बारसोई-कटिहार (आमान परिवर्तन)	85 %	अगस्त, 07
• कटिहार-जोगबानी (आमान परिवर्तन)	60%	मार्च, 08
• अलीपुरद्वार-बामनहाट (आमान परिवर्तन)	100 %	अगस्त, 07
• मानु-अगरतला	80 %	फेस-I मानु अम्बासा अगस्त, 07 फेस-II अम्बासा-अगरतला दिसम्बर, 07
• सेनचुना-सिलघाट (आमान परिवर्तन)	85 %	दिसम्बर, 07
• मोरानहाट से डिब्रूगढ़ सातत्य बैंक रेल लिंक	80 %	मार्च, 08

यातायात सुविधा

	प्रगति	लक्ष्य
• कटिहार यार्ड का पुनर्निर्माण	60 %	सितम्बर, 2007
• कामाख्या स्टेशन में कोचिंग की सुविधा	50 %	मार्च, 2008

वर्कशॉप

	प्रगति	लक्ष्य
• न्यू बंगाईगांव में वर्कशॉप का आधुनिकीकरण	40 %	मार्च, 08
• बंगाईगांव में सिक लाइन शेड	98 %	जुलाई, 07
• न्यू गुवाहाटी डीजल शेड का विस्तार	60 %	मार्च, 08
• डिब्रूगढ़ कोच रिपेयर शॉप	70 %	सितम्बर, 07

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

	प्रगति	लक्ष्य
• रंगिया मंडल में 10 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग	2 स्टेशन	दिसम्बर, 2007
• लामडिंग-सिलचर सेक्शन में (i) 4 स्टेशनों पर पैनल इंटरलॉकिंग कार्य	1 स्टेशन	अक्टूबर, 2007
(ii) 10 ब्लॉक सेक्शन में 4 क्वाड संचार प्रणाली	2 सेक्शन	फरवरी, 2007
• कामाख्या के इर्द-गिर्द 4 ब्लॉक सेक्शन में बी. पी. ए. सी. कार्य (पू.सी. रेल में प्रथम बार)	–	सितम्बर, 2007
• तिनसुकिया मंडल में 4 स्टेशनों पर मल्टी एंट्री एक्सेल काउंटर (पू. सी. रेल में प्रथम बार)	–	फरवरी, 2008
• कटिहार-मालदा-गुवाहाटी के बीच मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार प्रणाली	गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव सेक्शन पर चालू	जून, 2007
• कटिहार मंडल में रानीनगर-हल्दीबाड़ी व ओल्ड मालदा सिंहाबाद में 4 क्वाड संचार प्रणाली	–	अगस्त, 2007
• कुमारघाट-अगरतला (109 कि.मी.) में ओ एफ सी 6 क्वाड संचार प्रणाली	कुमारघाट-मानु (20 कि.मी.)	दिसम्बर, 2007

2007-2008 का परिव्यय

• रेलवे बजट	=	715.61	करोड़ रुपये
• राष्ट्रीय निधि	=	0.00	करोड़ रुपये*
• निक्षेप कार्य	=	5.15	करोड़ रुपये
(रक्षा मंत्रालय) कुल	=	720.76	करोड़ रुपये

*राष्ट्रीय निधि आवंटन अब तक प्राप्त नहीं हुआ ।

सर्वेक्षण कार्य

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1	गुंजारिया से गाजोल (120 कि.मी.) तक नई लाइन का आर ई टी एस द्वारा सर्वेक्षण	2006-07	पश्चिम बंगाल	20 %	दिसम्बर, 2007
2	सिवोक से रंगपो (30 कि.मी.) तक नई लाइन का आर ई टी एस द्वारा सर्वेक्षण	2006-07	पश्चिम बंगाल (29 कि.मी.) सिक्किम (1 कि.मी.)	70 %	जुलाई, 2007
3	महादेवपुर, नामशेई चेंगखाम (अ.प्र.) होकर रूपाई से परशुरामकुंड से गाजोल (50 कि.मी.) तक नई लाइन का आर ई टी एस द्वारा सर्वेक्षण	2007-08	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	05 %	जून, 2008
4	सराईघाट पर दूसरी रेल पुल का आर ई टी एस द्वारा सर्वेक्षण	2007-08	असम	–	अभी तक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया

राजभाषा अनुभाग/निर्माण की ओर से वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी/निर्माण द्वारा प्रकाशित, दूरभाष : 2572794, 23018, 98640-12934
मुद्रक : [illegible] ग्राफिक्स एण्ड अफसेट प्रेस, [illegible], गुवाहाटी-781012, दूरभाष : 98541-01480, 94351-43284